मैक्सिकॉन 2022 इंटरनेशनल कांफ्रेस में गोल्ड मैडल

दिल्ली स्थित वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज सफदरजंग अस्पताल में आयोजित मैक्सिकॉन 2022 इंटरनेशनल कांफ्रेस में पं. जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्याल, रायपुर के छात्रों डॉ. अनम फातिमा एवं डॉ. शिशिर दानी ने "हाई रिस्क प्रेग्नेंसी" आधारित शोधपत्र प्रस्तुत कर प्रथम स्थान और गोल्ड मैडल हासिल किया है। साथ ही साथ ही इन दोनों छात्रों ने अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जंस की सदस्यता भी हासिल की है।

शोधार्थी डॉ. अनम फातिमा के अनुसार शोध के दौरान उन्होंने यह पाया कि गर्भधारण करने वाली महिलाओं को गर्भावस्था के रहन-सहन, स्वास्थ्यगत आचरण, गर्भकाल के दौरान गंभीर लक्षण एवं मातृ-शिशु स्वास्थ्य संबंधी योजना की जानकारी देने की आवश्यकता है। गर्भावस्था के दौरान उचित व्यायाम करने, गंभीर लक्षणों की पहचान करने तथा गर्भधारण के बाद मिलने वाली सरकारी योजनाओं के बारे में अधिक से अधिक जागरूक करना आवश्यक है ।

<u>महिलाओं को नहीं है गर्भावस्था संबंधी जानकारी-</u> शोधार्थी डॉ. अनम फातिमा ने बताया: "मेडिकल कॉलेज कम्युनिटी मेडिसीन डिपार्टमेंट की ओर से पीएसएम प्रोजेक्ट कराया जाता है। यह तीन माह का प्रोजेक्ट होता है। मैंने भी प्रोजेक्ट के तहत 'हाईरिस्क प्रेग्नेंसी' विषय को चुना| शोध के दौरान गर्भवती महिलाओं और उनके गर्भावस्था में व्यवहार और रहन-सहन की जानकारी हासिल की गयी जिसमें यह ज्ञात हुआ कि 13 प्रतिशत महिलाओं को ही एंटीनेंटल एक्सरसाइज (गर्भावस्था के दौरान किए जाने वाले व्यायाम), किलकारी सेवा (गर्भावस्था से प्रसव तक मिलने वाली स्वास्थ्य सहायता) एवं सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी थी।" शोध के दौरान 98 प्रतिशत महिलाओं के पास एनसीपी कार्ड थे, और वह आयरन और फोलिक एसिड टेबलेट का सेवन करती हैं और अपने स्वास्थ्य के प्रति महिलाएं जागरूक भी हैं लेकिन उन्हें और जागरूक होने की जरूरत है। साथ ही साथ आशा और मितानिन को भी गर्भावस्था के दौरान के गंभीर लक्षण, एंटीनेटल एक्सरसाइज के बारे में और प्रशिक्षित किया जाना चाहिए।"

छात्रों की इस उपलब्धि पर मंगलवार को रायपुर मेडिकल कॉलेज की डीन डॉ. तृप्ति नागरिया ने उन्हें प्रोत्साहित किया और शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना भी की है। इस मौके पर सामुदायिक चिकित्सा विभाग पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय के प्रो. डॉ. कमलेश जैन, राज्य नोडल अधिकारी मातृत्व स्वास्थ्य डॉ. शैलेन्द्र अग्रवाल, एवं साइंटिफिक कमेटी की चेयरपर्सन डॉ. निधि पांडेय मुख्य रूप से उपस्थित रहे |